Testwale Current Affairs PDF

Current Affairs search results for tag: state-news

1. [illegible] (Dec. 11, 2021)

[illegible]

- [illegible] 9/12/2021 [illegible] 17 [illegible] 1 [illegible]
- [illegible](collateral free) [illegible] 6% [illegible] 24 [illegible]

[illegible] 1% [illegible]

> [illegible]
>
> [illegible] 2001 [illegible] (MoDONER) [illegible]
>
> [illegible]: [illegible]

2. [illegible] (Dec. 10, 2021)

[illegible] (35[illegible]) 10) [illegible]

[illegible]:

- [illegible] (0F[illegible]) [illegible] (0F[illegible]), [illegible]
- [illegible] 1 [illegible] 8,000 [illegible] 10,000 [illegible]

- इस साल की शुरुआत में, **इन्फ्लुएंजा ए वायरस के एच5एन8 स्ट्रेन** के कारण होने वाले एवियन फ्लू का पता कुट्टानाड में छह स्थानों नेदुमुडी, थाकाज़ी, पल्लीपाद, करुवट्टा और अलप्पुझा जिले के कैनाकरी और कोट्टायम जिले के निन्दूर में लगाया गया था।

बर्ड फ्लू

एवियन इन्फ्लूएंजा (एआई) इन्फ्लूएंजा टाइप ए वायरस के कारण होता है जो मुर्गियों, टर्की, तीतर, बटेर, घरेलू बत्तख, गीज़ और गिनी मुर्गी जैसे पोल्ट्री को संक्रमित कर सकता है।

एवियन इन्फ्लूएंजा (एआई) वायरस को प्रोटीन के दो समूहों के संयोजन द्वारा वर्गीकृत किया जाता है: **हेमाग्लगुटिनिन या "एच" प्रोटीन**, और **न्यूरोमिनिडेज़ या "एन" प्रोटीन,**

दुर्लभ मामलों में, यह मनुष्यों को प्रभावित कर सकता है। बर्ड फ्लू वायरस के कई अलग-अलग प्रकार हैं। इनमें से अधिकांश मनुष्यों को संक्रमित नहीं करते हैं।

राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी)-आईसीएआर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का **राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (NIHSAD)** विदेशी जानवरों से उभरते रोग पर शोध के लिए भारत का एक प्रमुख संस्थान है।

एनआईएचएसएडी 8 अगस्त, 2014 को भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर के एक क्षेत्रीय स्टेशन, उच्च सुरक्षा पशु रोग प्रयोगशाला (एचएसएडीएल) के रूप में अपनी मूल स्थिति से आईसीएआर के तहत एक स्वतंत्र संस्थान के रूप में अस्तित्व में आया।

- निदेशक: **डॉ वी.पी. सिंह**
- मुख्यालय: **भोपाल**

3. तमिलनाडु द्वारा पानी छोड़ने के खिलाफ केरल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल किया (Dec. 10, 2021)

केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल किया जिसमे कोर्ट से यह अनुरोध किया है की वह तमिलनाडु सरकार को यह निर्देश दे की वह बगैर चेतावनी के मुल्लापेरियार बंद से पानी ना छोड़े क्योंकि इससे केरल में भारी क्षति होता है ।

दो जजों की बेंच जस्टिस ए.एम. खानविलकर और सी.टी. रविकुमार याचिका पर सुनवाई करेंगे।

[illegible]

4. [illegible] (Dec. 8, 2021)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

> [illegible]
>
> [illegible]
>
> [illegible]

5. [illegible] KVIC [illegible] RE-HAB [illegible] (Dec. 6, 2021)

[illegible] **RE-HAB** ([illegible]) [illegible] **((KVIC))** [illegible]

RE-HAB [illegible]

- [illegible]

6. [illegible] (Dec. 5, 2021)

[illegible]

1. [illegible]

[illegible]

[illegible]:

[illegible]

2. [illegible]

[illegible] 5000 [illegible]

[illegible]

3. [illegible] "[illegible]":

[illegible] / [illegible]

[illegible]

4. [illegible]

SAFAR ([illegible]) [illegible] 2.5 [illegible]

[illegible]

5. [illegible]

[illegible] (66), [illegible] 30 [illegible]

[illegible]

6. [illegible] 2019 [illegible] , [illegible] 51 [illegible]

पर सरकारी नियंत्रण में लाना था। लेकिन मंदिरों के महंत और पुजारी इसका बहुत विरोध कर रहे थे ।

7. प्रधान मंत्री ने व्यासी जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन किया (Dec. 5, 2021)

- प्रधान मंत्री उन्होंने 1,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यमुना नदी पर निर्मित 120 मेगावाट की व्यासी जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन किया।
- देहरादून जिले में स्थित, व्यासी बिजली परियोजना यमुना पर एक रन-ऑफ-द-रिवर योजना है।
- यह उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड द्वारा संचालित है

8. उत्तराखंड सरकार ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया (Dec. 1, 2021)

उत्तराखंड सरकार ने **उत्तराखंड चार धाम देवस्थानम प्रबंधन अधिनियम, 2019** को वापस ले लिया है , जिसमें उत्तराखंड में 51 मंदिरों को सरकारी नियंत्रण में लाना था। लेकिन मंदिरों के महंत और पुजारी इसका बहुत विरोध कर रहे थे ।

चारधाम

चार धाम का अर्थ है चार धार्मिक स्थल। चार धाम उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय श्रेणी में स्थित हैं। यह हिंदू धार्मिक तीर्थयात्रा का एक सर्किट है

इसमें शामिल हैं :

बद्रीनाथ :

यह भगवान विष्णु को समर्पित है। मुख्य पुजारी, या रावल, पारंपरिक रूप से केरल से चुने गए नंबूदरी ब्राह्मण हैं। यह उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित है

केदारनाथ

यह भगवान शिव को समर्पित है। यह उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है।

गंगोत्री

यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में है। यह भागीरथी नदी के तट पर है।

ऐसा माना जाता है कि देवी गंगा स्वर्ग से इस स्थान पर अवतरित हुई थीं।

अपने उद्गम स्थल पर गंगा नदी को भागीरथी कहा जाता है जो गंगोत्री ग्लेशियर में गोमुख से निकलती है। यह देवप्रयाग में अलकनंदा नदी में मिल जाती है और फिर इसे गंगा कहा जाता है।

यमुनोत्री

यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित है।

9. (Dec. 1, 2021)

SAFAR ( ) 2.5 14.6 2.5 2018 58 2019 43 2020 46

77, 000

AQI ( )

दिल्ली में प्रमुख प्रदूषक

ओजोन (O3): इसे जमीनी स्तर के ओजोन के रूप में भी जाना जाता है। यह एक रंगहीन गैस है जो पृथ्वी की सतह के ऊपर बनती है और एक रासायनिक प्रतिक्रिया द्वारा बनाई जाती है जब दो प्राथमिक प्रदूषक (वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स)) सूर्य के प्रकाश और स्थिर हवा में प्रतिक्रिया करते हैं।

पार्टिकुलेट मैटर (PM10 और PM2.5): पार्टिकुलेट मैटर हवा में निलंबित ठोस और तरल बूंदों का मिश्रण होता है और उनके आकार से अलग होता है। जब आसमान धुंधला होता है, तो इसका मतलब है कि हवा में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) की उच्च सांद्रता है। पार्टिकुलेट मैटर को PM10 और PM 2.5 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। PM10 कण व्यास में 10 माइक्रोमीटर से कम या उसके बराबर होते हैं। जबकि, PM2.5 कण 2.5 माइक्रोमीटर व्यास से कम या उसके बराबर होते हैं। डीजल, पेट्रोल और प्राकृतिक गैस के दहन, खुले में कचरा जलाने, बायोमास जलाने, कोयले के दहन से होने वाले उत्सर्जन का 95% PM2.5 के अंतर्गत आता है।

नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO2): एक और खतरनाक वायु प्रदूषक नाइट्रोजन ऑक्साइड नामक गैसों का मिश्रण है। गैसों के ये समूह गंधहीन होते हैं और हवा में प्रतिक्रिया करके पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) और ओजोन बनाते हैं। वाहन, बिजली संयंत्र और ईंधन जलाना नाइट्रोजन ऑक्साइड के प्रमुख स्रोत हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) : यह गैस अत्यधिक विषैली होने के साथ-साथ गंधहीन और रंगहीन भी होती है। यह गैस प्रमुख बाहरी प्रदूषकों में से एक है। डीजल और पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन के जलने से इस गैस का उत्सर्जन हुआ।

सल्फर डाइऑक्साइड (SO2): वाहनों में डीजल जलने के कारण सल्फर डाइऑक्साइड नामक अत्यधिक प्रतिक्रियाशील गैस निकलती है। सल्फर डाइऑक्साइड फिर हवा के साथ प्रतिक्रिया करके पार्टिकुलेट मैटर बनाती है और स्मॉग भी पैदा करती है।

सफर (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च))

योजना के तहत "खेल, पर्यटन (महानगरीय वायु गुणवत्ता और मौसम सेवाएं), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), सरकार के लिए शहरों के लिए महानगरीय सलाह। भारत सरकार ने एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल की शुरुआत की है, "वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान और अनुसंधान प्रणाली" जिसे "सफर" के रूप में जाना जाता है, भारत के अधिक महानगरीय शहरों के लिए निकट वास्तविक समय में वायु गुणवत्ता विशिष्ट स्थान की जानकारी प्रदान करने के लिए और भारत में पहली बार इसके पूर्वानुमान 1-3 दिन पहले लगाया जा सकता है। यह भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और राष्ट्रीय मध्यम दूरी के मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NCMRWF) के साथ मिलकर विकसित किया गया है।

10. राजस्थान सरकार की महिलाओं के लिए "काम पर वापस" योजना: (Dec. 1, 2021)

राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने **महिलाओं को नियमित रोजगार प्रदान करने** के लिए एक अनूठी योजना लेकर आई है, जिन्होंने व्यक्तिगत / पारिवारिक मुद्दों के कारण अपनी नौकरी छोड़नी पड़ी थी।

मुख्य बिंदु

- राजस्थान के मुख्यमंत्री **श्री अशोक गहलोत** ने अनूठी रोजगार योजना की घोषणा की।
- योजना का नाम: "**काम पर वापसी**"।
- उद्देश्य: "अगले तीन वर्षों में **15,000 महिलाओं को रोजगार** प्रदान करना"।
- तलाकशुदा, विधवा और हिंसा की शिकार महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।
- महिलाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए **राजस्थान कॉरपोरेट लिमिटेड द्वारा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किये जाएंगे।
- जो महिलाएं निमित कार्यस्थल पर जाने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें "**वर्क फ्रॉम होम**" का **अवसर** प्रदान किया जाएगा।

राजस्थान

- राजस्थान (उत्तरी भारतीय राज्य) **क्षेत्रफल के दृष्टि से सबसे बड़ा भारतीय राज्य** है और **जनसंख्या के दृष्टि से सातवां** राज्य है।
- राजधानी: **जयपुर**
- सबसे बड़ा शहर: **जयपुर**
- लोक नृत्य: **घूमर**
- मुख्यमंत्री: **अशोक गहलोत**